चालू वित्तीय वर्ष, 2009-10 के नौ महीनों (अप्रैल-दिसम्बर, 09) के दौरान भारतीय फ्लोट ग्लास उद्योग का एक मूल्यांकन

यकायक फ्लोट ग्लास की मांग में जबरदस्त उछाल : 35% की अविश्वसनीय वृद्धि के साथ फ्लोट ग्लास की घरेलू बिक्री 2700 टन प्रतिदिन के उच्चतम स्तर पर पहुँची : सभी पूर्ववर्ती रिकार्ड्स ध्वस्त

(एक तथ्यपरक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट)

पूर्व वित्तीय वर्ष, 2008-09 की अन्तिम छमाही के दौरान मंदी में चलते हुए भारतीय फ्लोट ग्लास उद्योग द्वारा घरेलू मार्केट में की जा रही बिक्री में जो नकारात्मक बिक्री-दर दर्ज की गयी थी, उक्त नकारात्मक बिक्री-दर चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान 10 प्रतिशत बिक्री वृद्धि-दर के साथ पुनः पटरी पर लौट आयी थी तथा दूसरी एवं तीसरी तिमाही (क्रमशः जुलाई-सितम्बर, 09 एवं अक्टूबर-दिसम्बर, 09) के दौरान उक्त बिक्री दर ने पूर्व सभी रिकार्ड्स तोडते हुए 35 प्रतिशत की अविश्वसनीय बिक्री-वृद्धि दर्ज का एक कीर्तिमान स्थापित किया है। उक्त दोनों तिमाहियों (क्रमशः जुलाई-सितम्बर, 09 एवं अक्टूबर-दिसम्बर, 09) के दौरान भारतीय फ्लोट ग्लास निर्माताओं ने घरेलू कांच मार्केट में औसतन 2700 टन प्रतिदिन मैटीरियल (फ्लोट / रिफ्लेक्टिव / मिरर) बिक्री किया, जबकि पूर्व में यह आंकड़ा 2000 टन से अधिक नहीं पहुँच पाया था। अस्तु,चालू वित्तीय वर्ष, 2009-10 के प्रथम नौ महीनों (अप्रैल-दिसम्बर, 2009) के दौरान भारतीय फ्लोट ग्लास की घरेलू कांच मार्केट में अनुमान से भी अधिक बिक्री दर्ज की गयी, जो विश्वव्यापी मंदी के मद्देनजर देशीय ग्लास उद्योग के लिये एक बेहद उत्साह जनक सुखद स्थिति है।

विदित हो, गत 9 वर्षों से देशीय फ्लोट ग्लास उद्योग-व्यापार औसतन 12-15 प्रतिशत वार्षिक बिक्री वृद्धि दर के साथ निरन्तर विकासोन्मुख रहा है, लेकिन वित्तीय वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर, 2008) से ही फ्लोट ग्लास की बिक्री में गिरावट की जो प्रवृत्ति शुरू हुई चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च, 2009) तक आते-आते उक्त विकास दर को जबरदस्त झटका लग गया था और 8.38 प्रतिशत की भारी गिरावट लिये हुए नकारात्मक हो गयी थी। गत वित्तीय वर्ष 2007-08 के दौरान देश में कार्यरत तीनों ही फ्लोट ग्लास निर्माता कम्पनियों-सेन्ट गोबेन ग्लास इन्डिया लि0, असाही ग्लास कम्पनी लि0 एवं गुजरात गार्जियन लि0 का घरेलू कांच मार्केट में संयुक्त बिक्री आंकडा औसतन 2043 टन प्रतिदिन के स्तर पर रहा, वहीं 2008-09 के पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान उक्त बिक्री आँकड़ा पूर्व वित्तीय वर्ष की तुलना में 2.15 प्रतिशत की गिरावट लिए हुए औसतन 2000 टन प्रतिदिन के स्तर पर आ गया तथा 2008-09 की चौथी तिमाही के दौरान तो यह बिक्री आँकड़ा 8.38 प्रतिशत की भारी गिरावट लिये हुए नकारात्मक उक्त बिक्री आँकड़ा पूर्व वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में पुनः मजबूती लिए हुए 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ औसतन 2200 टन प्रतिदिन के उच्च स्तर पर पहुँच गया तथा दूसरी एवं तीसरी तिमाही (क्रमशः जुलाई-सितम्बर, 09 एवं अक्टूबर-दिसम्बर, 09) के दौरान तो उक्त बिक्री आंकडा अभूतपूर्व एवं अविश्वसनीय 35 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ 2700 टन प्रतिदन के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया, जिसे एक नजर में आगे तालिका में देखा जा सकता है-

भारत में निर्मित फ्लोट ग्लास की घरेलू बिक्री

Year	MT/Day	%Growth
2000-01	886.00	2.66
2001-02	980.00	10.60
2002-03	1106.00	12.85
2003-04	1310.00	18.44
2004-05	1427.00	8.93
2005-06	1402.00	14.22
2006-07	1695.89	20.89
2007-08	2043.00	20.46
2008-09	2000.00	(-2.15)
2008-09 (Jan. March)	1885.00	(-8.38)
2009-10 (April-June)	2200.00	10.00
2009-10 (July-Sep.) 2009-10 (Oct.-Dec.)	2700.00	35.00

कम्पनियों का घरेलू फ्लोट ग्लासः मार्केट शेयर

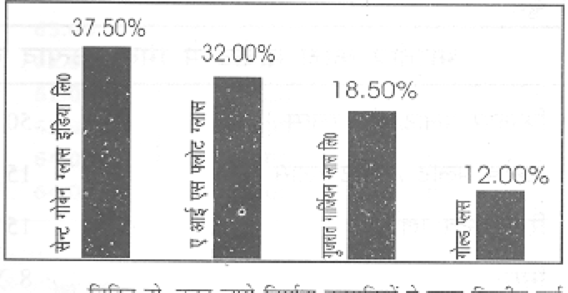

विदित हो, उक्त चारो निर्माता कम्पनियों ने चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही (क्रमशः जुलाई-सितम्बर, 09 एवं अक्टूबर-दिसम्बर, 09) के दौरान घरेलू कांच मार्केट में जो संयुक्त

रूप से औसतन 2700 टन प्रतिदिन के हिसाब से बिक्री की, उसमें सेन्ट-गोबेन ग्लास इन्डिया लि0 का बिक्री आंकडा सर्वाधिक लगभग 37.50 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ औसतन 1012 टन प्रतिदिन रहा, जबकि असाही इन्डिया ग्लास लि0 की बिक्री 32 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ औसतन 867 टन प्रतिदिन, गुजरात गार्जियन लि0 की बिक्री 18.50 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ 500.00 टन प्रतिदिन एवं नवस्थापित गोल्ड प्लस फ्लोट ग्लास इन्डस्ट्री लि0 की बिक्री 12.00 मार्केट शेयर के साथ औसतन 321 टन प्रतिदिन के स्तर पर रही। निर्यात ग्लास लि0 ने चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही (क्रमशः जुलाई-सितम्बर, 09 एवं अक्टूबर-दिसम्बर, 09) के दौरान औसतन 400 टन प्रतिदिन निर्यात किया, जबकि गुजरात गार्जियन लि0 का निर्यात आंकड़ा नगण्य है, क्योंकि इस कम्पनी के पास तुलनात्मक रूप से उत्पादन क्षमता (550 टन प्रतिदिन) जो सेन्ट-गोबेन एवं असाही इन्डिया की तुलना में कम है। सेन्ट-गोबेन ग्लास इन्डिया लि0 एवं असाही इन्डिया ग्लास लि0 की उत्पादन क्षमता क्रमशः 1400 एवम् 1200 टन प्रतिदिन है।

भारत में 2009 में फ्लोट ग्लास के निर्माण की स्थापित एवं उपयोग–क्षमता

निर्माता कम्पनियां	स्थापित क्षमता (प्रतिदिन टनों में)	उपयोग-क्षमता (प्रतिशत में)
1. गुजरात गार्जियन लि0	550	95
2. असाही इन्डिया ग्लास लि0 (दो प्लान्ट्स–500+700)	1200	80
3. सेन्ट–गोबेन ग्लास इन्डिया लि0 (दो प्लान्ट्स–600+800)	1400	80
4. गोल्ड प्लस फ्लोट ग्लास इन्डस्ट्री लि0	460	85
5. सैजल अर्किटैक्चुरल ग्लास लि0 550		–
6. एच एन जी फ्लोट ग्लास लि0	600	–
समग्र क्षमता	4760	2993

भारत में 2009 में फ्लोट/शीट ग्लास की मांग (ओसतन प्रतिदिन)

1. घरेलू निर्मित फ्लोट ग्लास की मांग	2700 टन
2. आयातित फ्लोट ग्लास की मांग	400 टन
3. घरेलू निर्मित शीट ग्लास की मांग	180 टन
4. आयातित शीट ग्लास की मांग	30 टन
कुल	3310 टन

भारतीय कांच मार्केट में मिक्स उत्पाद की प्रतिदिन औसतन मांग का ब्रेक अप

किलयर फ्लोट/शीट ग्लास	50 प्रतिशत	1655 टन
टिन्टेड फ्लोट / शीट ग्लास	15 प्रतिशत	496 टन
रिफ्लेक्टिव ग्लास	15 प्रतिशत	496 टन
मिरर	8 प्रतिशत	265 टन
आयातित फ्लोट/शीट	12 प्रतिशत	398 टन
कुल मांग		3310 टन